vkQjh e Mk- vEcMdj 128oh t;Urh ij dk;dze

भारत के काल चक्र में समय–समय पर अनेक महापुरूष अवतरित हुए हैं। जिससे सभ्यता के विकास के साथ–साथ मानवता के आधार पर दोनों को एकजुट करने में सफलता प्राप्त हुई है। इन्हीं में से एक भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर थे। उनके द्वारा संविधान निर्माण, समाज सुधार तथा अर्थ शास्त्र आदि में किये गये कार्य अतुलनीय है। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) जोधपुर में संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की 128 वीं जयन्ती श्रद्धा पूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर अपने उदबोधन में मुख्य अतिथि आफरी की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सरिता आर्या ने डॉ. अम्बेडकर की लोकतत्रं में गहरी आस्था एवं महिलाओं के लिए व्यापक आर्थिक एवं सामाजिक अधिकारों के बारे में प्रकाष डाला। आफरी निदेशक श्री मानाराम बालोच भा.व.से. ने अम्बेडकर साहब के आदर्शों को यर्थात जीवन में अपनाने की जरूरत बताते हुए बाबा साहब के सपनों को साकार करने में हर एक को अपना योगदान देने की आवश्यकता प्रतिपादित की। निदेषक महोदय ने उनके सपनों को पूरा करने के लिए दूर दृष्टि से कार्य करने तथा अपने–अपने क्षेत्र में हर व्यक्ति को योग्यता तथा सक्षमता से कार्य करने की अपील की। आफरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं सन्वयक (शोध) डॉ. इन्द्रदेव आर्या ने 20वीं शताब्दी के श्रेष्ठ चिन्तक, ओजस्वी लेखक तथा यषस्वी वक्ता एवं विधि विषेषज्ञ अथक परिश्रमी एवं उत्कृष्ट कौषल के धनी के रूप में याद किया। श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. प्रभागाध्यक्ष, कृर्षि वानिकी एवं वन विस्तार प्रभाग ने अम्बेडकर साहब के आदर्शों को यर्थात जीवन में अपनाने की जरूरत बताया । वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. यू.के. तोमर ने बाबा साहब अम्बेडकर के जीवन से नैतिकता एवं ज्ञान के महात्व को स्वीकार करने तथा दोनों की एकता के लिए जीवन के निजी स्वार्थों का त्याग करने पर बल दिया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. तरूण कांत ने अम्बेडकर साहब की तरह कर्मयोगी बनन पर बल दिया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एच.के. हेगड़े ने आज के युग में डॉ. अम्बेडकर साहब जैसे व्यक्ति की जरूरत बताते हुये उनके विविधता तथा अर्थषास्त्री के रूप में किये गये कार्यो के संस्मणों को याद करते हुए अपने विचार व्यक्त किये। श्री कैलाश गुप्ता, सहायक निर्देषक, हिन्दी अनुभाग ने अम्बेडकर साहब की शिक्षा एवं उनके जीवन पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर सवाईसिंह राजपुरोहित ने कविता पाठ द्वारा तथा करणाराम चौधरी ने उनके शिक्षा तथा समाज हित में किए गये कार्यों द्वारा उन्हें याद किया तथा उनके जीवन से प्रेरण लेने एवं संविधान वर्णित अधिकारों एवं कर्तव्यों का पालन कर एक सशक्त भारत के निर्माण करने का आव्हान किया। सुश्रि प्रतिभा लोहरा ने उनके द्वारा महिलाओं के उत्थान हेतु किये गये कार्यों को बताते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने एवं संविधान वर्णित अधिकारों एवं कर्तव्यों का पालन कर एक सशक्त भारत के निर्माण पर अपने विचार व्यक्त किये।

कार्यक्रम का संचालन श्री राजेष गुप्ता ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन श्री शेराराम बालोच वैज्ञानिक ने किया।

∞∞∞